भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 670
सोमवार, 06 फरवरी, 2023/17 माघ, 1944 (शक)

राजस्थान में कार्य-बल की भागीदारी

670. **श्री सुखबीर सिंह जौनापुरियाः**
श्री रामशिरोमणि वर्माः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में रोजगार के अवसरों की कमी के कारण कार्यबल की भागीदारी कम हो रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या स्वरोजगार प्रतिशत में वृद्धि के कारण बेरोजगार दर बढ़ रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विशेषकर राजस्थान के टोंक और सवाई माधोपुर जिलों में वर्तमान में चल रहे कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार बाजार की मांग को पूरा करने के लिए कार्यबल की आपूर्ति में किस स्तर तक सुधार होने की संभावना है;

(घ) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान देश में संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) क्या सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की कमी के संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (ङ): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाया जा रहा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से रोजगार और बेरोजगारी पर अधिकारिक डेटा एकत्र किए जाते हैं। सर्वेक्षण की अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है। नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2019-20 एवं वर्ष 2020-21 के दौरान सामान्य स्थिति आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) क्रमशः 50.9% एवं 52.6% था जो दर्शाता है कि देश में रोजगार में वृद्धि हुई है। वर्ष 2019-20 एवं वर्ष 2020-21 के दौरान सामान्य स्थिति आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुबंध** पर है।

वर्ष 2017-18, 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति के आधार पर अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) क्रमशः 6.0%, 5.8%, 4.8% और 4.2% थी, जो यह दर्शाती है कि देश में बेरोजगारी दर में गिरावट की प्रवृत्ति है।

राजस्थान में, वर्ष 2019-20 और वर्ष 2020-21 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति के आधार पर अनुमानित श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) क्रमशः 55.0% और 55.3% था, जो दर्शाता है कि रोजगार में वृद्धि हुई है।

राजस्थान सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, विभिन्न योजनाओं (जैसे पंडित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल (डीडीयू-जीकेवाई), रोजगार से जुड़े कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम (ईएलएसटीपी), इंदिरा महिला शक्ति प्रोत्साहन और सम्मान योजना (आईएम शक्ति) , मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना (एमएमवाईकेवाई), मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना (एमएमकेवीवाई), प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), रोजगार आधारित जन कौशल विकास कार्यक्रम (आरएजेकेवीआईके), रैपिड स्पैनिंग ट्री प्रोटोकॉल (आरएसटीपी), सर्व शिक्षा अभियान के तहत सक्षम योजना, समर्थ योजना 2023) के अंतर्गत कुल 23614 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया था। जिसका उद्देश्य राजस्थान के सवाई माधोपुर और टोंक जिले में लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना था।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, पीएलएफएस रिपोर्ट के आधार पर संगठित और असंगठित क्षेत्र में अनुमानित रोजगार निम्नानुसार हैं:

(करोड़ में)

वर्ष	संगठित	असंगठित	योग
2017-18	9.05	38.07	47.13
2018-19	9.46	39.32	48.78
2019-20	9.55	43.99	53.53

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22

इससे पता चलता है कि संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रो में रोजगार बढ़ा है।

इसके साथ-साथ, श्रम ब्यूरो द्वारा त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण (क्यूईएस) आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य क्रमिक तिमाहियों में, भारत की गैर-कृषि अर्थव्यवस्था के चयनित नौ क्षेत्रों के संबंध में रोजगार की स्थिति का आकलन करना है। चयनित नौ क्षेत्र विनिर्माण, निर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्तरां, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)/बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) और वित्तीय सेवाएं हैं। क्यूईएस के चौथे दौर (जनवरी-मार्च, 2022) के अनुसार, नौ चयनित क्षेत्रों में अनुमानित कुल रोजगार 3.18 करोड़ था, जो क्यूईएस के पहले दौर (अप्रैल--जून, 2021) के अनुमानित रोजगार (3.08 करोड़) से 10 लाख अधिक है)।

*****

अनुबंध

लोक सभा के दिनांक 06.02.2023 के अतारांकित प्रश्न संख्या 670 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

वर्ष 2019-20 और वर्ष 2020-21 के दौरान सामान्य स्थिति आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) का राज्य/संघ राज्य-वार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2019-20	2020-21
1	आंध्र प्रदेश	55.5	58.6
2	अरुणाचल प्रदेश	44.3	48.5
3	असम	43.2	50.5
4	बिहार	39.7	39.9
5	छत्तीसगढ	65.4	63.6
6	दिल्ली	43.3	42.7
7	गोवा	47.3	43.4
8	गुजरात	54.7	55.0
9	हरियाणा	42.9	44.0
10	हिमाचल प्रदेश	70.5	69.5
11	झारखंड	53.6	59.6
12	कर्नाटक	53.1	55.3
13	केरल	45.3	46.1
14	मध्य प्रदेश	57.7	60.2
15	महाराष्ट्र	55.7	53.9
16	मणिपुर	45.5	41.0
17	मेघालय	58.6	62.0
18	मिजोरम	50.7	54.5
19	नागालैंड	44.8	49.5
20	ओडिशा	51.9	53.5
21	पंजाब	47.8	47.2
22	राजस्थान	55.0	55.3
23	सिक्किम	68.8	71.3
24	तमिलनाडु	55.3	56.9
25	तेलंगाना	55.7	57.8
26	त्रिपुरा	49.6	53.8
27	उत्तराखंड	49.5	48.7
28	उत्तर प्रदेश	45.1	48.0
29	पश्चिम बंगाल	49.7	53.0
30	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	49.8	58.2
31	चंडीगढ़	45.5	43.1
32	दादरा और नगर हवेली	72.2	54.0
33	दमन और दीव	64.5	
34	जम्मू और कश्मीर	52.5	55.5
35	लद्दाख	62.7	69.1
36	लक्षद्वीप	48.0	40.1
37	पुडुचेरी	47.7	48.1
	अखिल भारत	**50.9**	**52.6**

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई